

शरद पवार
SHARAD PAWAR



कृषि, उपभोक्ता मामले, खाद्य और
सार्वजनिक वितरण मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF AGRICULTURE
& CONSUMER AFFAIRS
FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION
GOVERNMENT OF INDIA
22 AUG 2007

संदेश

भाषा विचारों और भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं होती वरन राष्ट्र व समाज की संस्कृति की पोषक व संवाहक भी होती है। देश को स्वतंत्र हुए 60 वर्ष हो चुके हैं और स्वतंत्रता के पश्चात 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।

हिन्दी के पक्ष में चलने वाले वैचारिक आंदोलनों की परिणति यह हुई कि अब न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी के प्रति रुझान बढ़ रहा है। हिन्दी को विश्व के अनेक देशों ने अपने यहां पढ़ाना शुरू कर दिया है। इसके पीछे बदलता विश्व परिदृश्य व भारत की उसमें भूमिका प्रमुख है। आज विदेशी चैनल अनेक कार्यक्रम हिन्दी में ही प्रसारित करते हैं। सरकारी कार्य में भी हिन्दी का प्रयोग बढ़ा है लेकिन अभी भी अपेक्षित प्रगति से हम काफी पीछे हैं। हिन्दी को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने के लिए देश के सरकारी काम काज में इसका प्रयोग निश्चित रूप से बढ़ाना होगा।

कृषि हमारी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का यह उत्तरदायित्व है कि वह नए-नए अनुसंधान कार्यों और प्रौद्योगिकियों की जानकारी समय रहते किसानों व देश के आम जनों तक पहुंचाते हुए राष्ट्रीय विकास को गति प्रदान करे। आज विश्व प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कुल उत्पादकता में गिरावट, प्राकृतिक

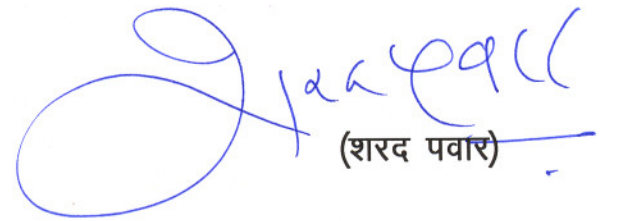
..... 2/-



: 2 :

संसाधनों का क्षरण, जलवायु में परिवर्तन, अपर्याप्त मूल्य के कारण अस्थिर निर्यात, बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के सख्त होने जैसी नई उभरती चुनौतियों से भी निपटना पड़ रहा है। परिषद अपनी नई जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह सचेत है और देशवासियों को खाद्य, पोषण व पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। परिषद का मानना है कि अनुसंधान उपलब्धियों को किसानों तक पहुंचाना बहुत जरूरी है और इसमें हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। परिषद के सभी वर्गों को इसमें पूरा सहयोग देना चाहिए।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में इस वर्ष 14 से 28 सितंबर, 2007 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मैं परिषद के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे अपना अधिक से अधिक सरकारी काम-काज राजभाषा हिन्दी में करें और राजभाषा तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाएं। मैं हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की सफलता की भी कामना करता हूं।


(शरद पवार)